वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 94 | मंगलवार 1 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मां को स्कूटर पर देशभर के मंदिर दिखाने निकला बेटा

घर के पास मंदिर भी नहीं गई थी; अब 70 हजार किमी से ज्यादा घूम चुकी

जयपुर. कासं। मैसूर (कर्नाटक) के रहने वाले कृष्ण कुमार (44) मां चूड़ा रत्नमा (73) को स्कूटर पर देश के मंदिरों के दर्शन कराने निकले हैं। वे सोमवार को जयपुर पहुंचे। कृष्ण कुमार ने बताया- मां को घर के कामों से कभी इतनी फुर्सत ही नहीं मिली की मंदिर जा सकें। कभी घर के पास वाले मंदिर भी नहीं गई थी। इस पर मैंने उन्हें पूरे देश घुमाने का फैसला किया। कृष्ण कुमार ने बताया- वे कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा कर रहे थे। पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए थे। पिताजी अकेले कमाने वाले थे। घर में 10 लोगों का परिवार था। दादा-दादी और दूसरे रिश्तेदार। इस कारण से पढ़ाई के पैसे पर्याप्त नहीं थे। पिता को थोड़ी आर्थिक मदद हो जाए, इसे लेकर पढ़ाई छोड़ कर नौकरी की। कंप्यूटर का अच्छा नॉलेज होने के कारण कॉरपोरेट सेक्टर में जॉब मिल गया। साल 2005 में पहली नौकरी 2 हजार रुपए की मिली। धीरे-धीरे सैलरी बढ़कर 60 हजार रुपए हो गई। अच्छी सेविंग हो गई। 13 सालों तक जॉब करने के बाद छोड़ दिया। अब जो सेविंग है उस पर लगभग 20 से 30 हजार हर महीने इंटरेस्ट आता है। इसी पैसे से पूरा खर्च निकल रहा है। कृष्ण कुमार ने बताया- पिता की साल 2015 में मौत हो गई थी। उस वक्त मैं जॉब करता था। एक दिन शाम को जब घर लौटा तो मां से पूछा कि आपने कभी तिरुपति बालाजी, तिरुवनंतपुरम के दर्शन किए हैं। उन्होंने मना कर दिया। इस पर भारत घुमाने का प्लान बनाया।

पिता के रूप में उनका दिया स्कूटर साथ

कृष्ण कुमार ने बताया- 16 जनवरी 2018 को पिता के दिए हुए स्कूटर से अपनी मां को देश के सभी मंदिरों में दर्शन करवाने निकल गया। इस यात्रा में हम दो नहीं बल्कि तीन हैं। मैं मेरी मां और मेरे पिताजी के रूप में उनका दिया हुआ स्कूटर। यह स्कूटर मेरे पिताजी ने 2001 में गिफ्ट किया था। इसलिए उनकी याद के सहारे हम तीनों यात्रा पर निकले हैं।

5 साल से स्कूटर पर यात्रा कर रहे

उन्होंने बताया- अब तक 73,655 किमी की यात्रा कर चुके हैं। 5 साल में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक स्कूटर से यात्रा की है। देश के सभी राज्यों के प्रमुख धार्मिक स्थल, पौराणिक स्थलों सहित मठ-मंदिरों में होकर आए हैं। यात्रा की शुरूआत मैसूर के चामुंडी गिल माता से की थी। इसके बाद मैसूर की दक्षिण काशी कही जाने वाली जगह नंजगुड पर महादेव का आशीर्वाद लिया। उसके बाद वहां से ऊटी गए। ऊटी से केरल आए। केरल में 2 महीने बिताने के बाद तमिलनाडु, पांडिचेरी, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गोवा, छत्तीसगढ़, ओडिसा, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, त्रिपुरा, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश की यात्रा की।

लॉकडाउन में इंडिया-भूटान बॉर्डर पर फंसे

कोविड-19 में लॉकडाउन लग गया। उस वक्त हम इंडिया-भूटान के बॉर्डर पर थे। लॉकडाउन के दौरान वहीं के लोकल व्यक्ति के घर में 1 महीने 2 दिन का समय बिताया। जैसे ही जाने की परमिशन मिली तो अपने घर लौटने का निर्णय लिया।

कांग्रेस ने 25 लोकसभा सीटों पर ऑब्जर्वर लगाए

विधानसभा चुनावों के लिए मधुसूदन मिस्त्री सीनियर ऑब्जर्वर और सेंथल ऑब्जर्वर होंगे

जयपुर. कासं। कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के लिए सीनियर ऑब्जर्वर और ऑब्जर्वर नियुक्त करने के साथ 25 लोकसभा सीटों पर भी ऑबजर्वर लगाए हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मधुसूदन मिस्त्री को सीनियर ऑब्जर्वर और तमिलनाडू के कांग्रेस नेता शशिकांत सेंथिल को ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। दोनों नेता विधानसभा चुनावों में उम्मीदवार चयन, चुनाव अभियान से लेकर पूरे चुनाव पर निगरानी रखेंगे। मिस्त्री इससे पहले भी राजस्थान चुनावों की जिम्मेदारी देख चुके हैं। मधुसूदन मिस्त्री ने कांग्रेस के संगठन चुनाव करवाए थे, उन्हें राहुल गांधी का नजदीकी माना जाता है। सेंथिल तमिलनाडू मूल के हैं, उन्होंने कर्नाटक चुनावों में भी काम किया था। एआईसीसी ने 25 लोकसभा सीटों पर लोकसभा ऑब्जर्वर लगाए हैं। लोकसभा सीट के हिसाब से ऑब्जर्वर लगाए गए नेताओं को विधानसभा चुनावों के लिए जिम्मेदारी दी गई है। हर नेता के पास आठ विधानसभा सीटें रहेंगी।

इन 25 नेताओं को बनाया लोकसभा सीटों का ऑब्जर्वर

अमित चावड़ा को अजमेर, हिम्मत सिंह पटेल को अलवर, आनंद पटेल को बांसवाड़ा, बलदेव ठाकुर को बाड़मेर, गीता भुक्कल को भरतपुर, शैलेश परमार को बीकानेर, नीरज शर्मा को भीलवाड़ा, प्रदीप भाई दुदावत को चित्तौड़गढ़, राजपाल खारोला को चूरु और किशन पटेल को दौसा लोकसभा क्षेत्र के ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी है। नौशाद सोलंकी को श्रीगंगानगर, मोना तिवारी को जयपुर, राव दान सिंह को जयपुर ग्रामीण, रघु देसाई को जालौर, ज्ञानी बेन तुम्मर को झालावाड़ बारां, अमर जी ठाकुर को झुंझुनू, सीजी चावड़ा को जोधपुर, शकुंतला खटक को करौली-धौलपुर , इंद्रविजय गोयल को कोटा, अमित सिहाग को नागौर, अमरीश देर को पाली, प्रभु ठोकिया को राजसमंद, अमित मलिक को सीकर, मिर्जा जावेद अली को टोंक-सवाई माधोपुर और कांति कराड़ी को उदयपुर लोकसभा सीट का ऑब्जर्वर बनाया है।

अब बची हुई चुनावी कमेटियों की भी जल्द घोषणा के आसार

कांग्रेस में अब जल्द स्क्रीनिंग कमेटी की घोषणा होने के आसार है। अगस्त महीने में सभी चुनावी कमेटियां बनाने की संभावना है। स्क्रीनिंग कमेटी और कैपेन कमेटी पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट इस बार सितंबर में टिकट फाइनल करने का सुझाव दे चुके हैं। ऐसे में चुनावी कमेटियों की घोषणा भी जल्द होने की संभावना है।

सन्मति ग्रुप के 40 सदस्य चार दिवसीय धार्मिक यात्रा कर वापस जयपुर आये

नारेली, नाकोड़ा, जहाज मंदिर, पावापुरी, भेरू तारक, जीरावाला, गोल्डन टेंपल फालना, आदि तीर्थों के दर्शन किये

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के 40 सदस्य चार दिवस की नाकोड़ा, जहाज मंदिर, पावापुरी धाम, भेरू तारक, जीरावाला, गोल्डन टेंपल फालना आदि तीर्थों के दर्शन कर 30 जुलाई को देर रात्रि में जयपुर वापस आये। ग्रुप अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने बताया कि 27 जुलाई को दोपहर 2 बजे यह दल महावीर नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर से इस दल को रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या के नेतृत्व में रीजन पदाधिकारियों ने रवाना किया था। दर्शन- विनीता जैन मुख्य समन्वयक तथा विनोद - हेमा सोगानी व चक्रेश - पिंकी जैन समन्वयक ने बताया कि यात्री दल नारेली जैन मंदिर के दर्शन का 27 जुलाई को देर रात्रि नाकोड़ा पार्श्वनाथ पहुंचे । वहां पर रात्रि विश्राम के पश्चात प्रातः पार्श्वनाथ भगवान की मनोहारी प्रतिमा के साथ साथ नाकोड़ा भैरव आदि मंदिरों के दर्शन कर मन प्रफुल्लित हो गया। ग्रुप उपाध्यक्ष राकेश - रेणु संघी, सचिव अनिल - निशा संघी ने बताया कि यात्री दल 28 जुलाई नाकोड़ा से जहाज मंदिर के दर्शन करते हुए दोपहर को रवाना होकर पावापुरी धाम के दर्शन के लिये पावापुरी पहुंचा जहां पर बारिश की फुहारों के बीच मंदिर जी में विराजमान पार्श्वनाथ की प्रतिमा के दर्शन के साथ साथ भजन संध्या का भी भाव विभोर होकर आनंद प्राप्त किया। 29 जुलाई को प्रातः आर्ट गैलेरी का अवलोकन, जल मंदिर के दर्शन, गोशाला में गायों को चारा खिलाया। उल्लेखनीय है कि पावापुरी गोशाला में लगभग 5000 से अधिक गाये हैं। ग्रुप सयुक्त सचिव राजेश - रानी पाटनी व कोषाध्यक्ष अनिल - अनिता जैन के अनुसार 29 जुलाई को पावापुरी से भेरू तारक के मंदिर के दर्शन कर यात्री दल जीरावाला पार्श्वनाथ पहुंचा । जीरावाला पार्श्वनाथ के मंदिर में सैकडो की संख्या तीर्थंकर पार्श्वनाथ की मनोहारी प्रतिमाओं के दर्शन कर यात्रा की सारी थकान गायब हो गई। बरसात के बादलों के मध्य लाइटों के प्रकाश में जीरावाला पार्श्वनाथ मंदिर व धर्मशाला महल के समान लग रही थी। 30 जुलाई को प्रातः मंदिर के दर्शन कर तीर्थ यात्री फालना के मनोहारी गोल्डन टेंपल के दर्शन कर देर रात्रि जयपुर वापस पहुंचा।

@.. पेज 3 पर

जीरावाला पार्श्वनाथ, पावापुरी, नाकोड़ा पार्श्वनाथ की व्यवस्था देखने काबिल थी

सभी धर्मस्थलों की कमेटियों के पदाधिकारियों को एक बार अवश्य वहा जाना चाहिए: राकेश जैन गोदिका

जयपुर. शाबाश इंडिया

सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष व शाबाश इंडिया के संपादक राकेश जैन गोदिका ने बताया कि मैंने अपनी जिंदगी में बहुत से तीर्थ स्थानों के दर्शन किए परंतु जो सुंदर व व्यवस्थित व्यवस्था जीरावाला पार्श्वनाथ, पावापुरी धाम तथा नाकोड़ा पार्श्वनाथ के मंदिर, धर्मशाला तथा भोजनशाला में मिली वैसी कही भी नही मिली। धर्मशाला के कमरे कम किराए के बावजूद भी किसी होटल से कम नहीं थे। मंदिरों में लाइट नहीं थी फिर भी रात्रि में दीपक की रोशनी में सभी प्रतिमाएं बहुत मन भावक लग रही थी तथा भोजन शाला में कर्मचारी इतने व्यवस्थित व सुंदर तरीके से भोजन करवा रहे थे कि मन उनकी कार्यशैली का कायल हो गया। सबसे बड़ी बात कि इतने बड़े परिसरों के बावजूद भी सफाई की इतनी सुंदर व्यवस्था थी कि देख कर दंग रह गये। मेरा सभी धर्मस्थलों की कमेटियों के पदाधिकारियों से निवेदन हैं कि एक बार अवश्य वहां पर जाकर व्यवस्थाओं को देखना चाहिए तथा आने वाले यात्रियों को अपने अपने क्षेत्र में उससे भी बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने का प्रयास कर पुण्य का कार्य करना चाहिए।

वेद ज्ञान

आशा और निराशा

मनुष्य सदैव चाहता है कि उसके मन का हो। जब यह कामना तीव्र होती है, तो आशा में परिवर्तित हो जाती है। उसे लगता है कि जो वह चाह रहा है, वह होकर रहेगा। ऐसा जब नहीं हो पाता तो मनुष्य निराश हो जाता है। उसे सब मिथ्या लगने लगता है। अरुचि पैदा हो जाती है। जीवन भर मनुष्य आशा और निराशा के बीच डोलता रहता है। इससे वह शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से प्रभावित होता है। उसकी आध्यात्मिक अवस्था भी इससे विचलित होती रहती है। कभी स्थिरता नहीं आ पाती। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि मनुष्य को या तो सच का ज्ञान नहीं होता या ज्ञान होते हुए भी वह सच को स्वीकारना नहीं चाहता। सच यह है कि मनुष्य के हाथ में कुछ भी नही है। सारा कुछ उस परम शक्ति के हाथों में है, जो अनंत है। उसके आगे किसी का कोई वश नहीं है। वह क्या चाह रहा है। इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। मनुष्य पूर्व दिशा से पश्चिम दिशा की ओर जाने की सारी तैयारियां कर चुका होता है और एकाएक परमात्मा उसे एकदम विपरीत पश्चिम दिशा की ओर मोड़ देता है। मनुष्य जीवन भर धन संचित करता है किन्तु पलों में परमात्मा की लीला धन की थैली किसी और के हाथों में पहुंचा देती है। ये घटनाएं सामान्य हैं और निरंतर मनुष्य के आसपास घटती रहती हैं। मनुष्य उन्हें देखता है किंतु कोई सबक नहीं लेता। उसे लगता है कि जो दूसरे के साथ हुआ, आवश्यक नहीं, वह उसके साथ भी हो। यह सच भी है। फिर भी जो कुछ उसके आसपास या संसार में हो रहा है, वह प्रयोजनहीन नहीं है। यह ईश्वर का न्याय तो है ही, दूसरों के लिए शिक्षा भी है। सत्य को जानने और स्वयं को सुधारने का अवसर भी है। यदि मनुष्य के अंदर परमात्मा के प्रति सच्ची आस्था और विश्वास है तो वह निश्चिंत हो जाता है। मन में यदि यह धारण कर लिया है कि परमात्मा दयालु, कृपालु और पालनहार है तो आशा और निराशा के बंधन टूटने लगते हैं। मनुष्य स्वयं को कर्मों पर केंद्रित करने लगता है और परिणाम की चिंता से मुक्त हो जाता है। यह प्रेरणा उसे निर्लिप्तता की ओर ले जाती है जो अध्यात्म की परम अवस्था है। जहां मनुष्य सुख-दुख, मान-अपमान, निंदा और प्रशंसा आदि की भावनाओं से ऊपर उठ जाता है। इससे सारे भटकाव समाप्त हो जाते हैं।

संपादकीय

हिंसा की घटनाओं पर कड़ी चेतावनी

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों और निर्देशों पर अमल न करना जैसे सरकारों की आदत बन गई है। वे प्रायः उनसे बचने का प्रयास करती या फिर उन्हें नजरअंदाज करती देखी जाती हैं। भीड़ हिंसा के मामले में पांच साल पहले सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुझाए उपचारात्मक उपायों पर अमल करने संबंधी निर्देशों के मामले में भी यही हुआ। अगर केंद्र और राज्य सरकारों ने गंभीरता से उन उपायों पर अमल किया होता तो नए सिरे से भीड़ हिंसा की घटनाएं न हो पातीं। मगर ऐसी घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी ही हुई है। इसे लेकर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और महाराष्ट्र, ओड़ीशा, राजस्थान, हरियाणा, बिहार और मध्यप्रदेश की राज्य सरकारों से पांच साल पहले जारी निर्देश के बाद से वर्षवार आंकड़े तलब किए हैं कि भीड़ हिंसा रोकने की दिशा में क्या काम किए गए हैं। गौरतलब है कि पांच साल पहले तहसीन पूनावाला मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और राज्य सरकारों को कड़ी चेतावनी देते हुए ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कुछ उपचारात्मक उपाय सुझाए थे, जिन पर सभी राज्यों को अनिवार्य रूप से अमल करना था। मगर स्थिति यह है कि जब-तब विभिन्न राज्यों से गोमांस तस्करी के शक में या फर्जी खबरों, अफवाहों के प्रभाव में भीड़ हिंसा की घटनाएं सामने आ जाती हैं। पिछले कुछ वर्षों में भीड़ हिंसा एक भयावह अराजक प्रवृत्ति के रूप में उभरी है। सबसे अधिक ऐसी घटनाएं गोरक्षा के नाम पर हुई हैं। समाज में कुछ ऐसे स्वयंभू गोरक्षक दल पनपे हैं, जो गोमांस और गो-तस्करी पर निगरानी रखते हैं। अगर इन्हें किसी भी तरह का शक होता या कहीं से कोई सूचना मिलती है कि गोमांस या गायों की तस्करी की जा रही है, तो वे मामले की बिना जांच-पड़ताल किए हमला कर देते हैं। कई मामलों में तो जघन्यतम हत्याएं कर दी गईं। इनमें विशेष रूप से एक ही समुदाय के लोग शिकार बनते हैं। ऐसी घटनाओं के मद्देनजर तहसीन पूनावाला मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति या समूह को इस तरह निगरानी करने, कानून को अपने हाथ में लेने और ऐसे मामलों का फैसला सड़क पर करने का अधिकार नहीं है। जब किसी प्रकार के विचार वाला कोई समूह कानून को अपने हाथों में लेता है तो इससे अराजकता और अव्यवस्था फैलती है और अंततः हिंसक समाज का उदय होता है। यह शासन और संविधान के ऊंचे मूल्यों का अपमान है। सर्वोच्च न्यायालय ने भीड़ हिंसा को रोकने के लिए सरकारों को सख्त हिदायत देते हुए कहा था कि भीड़ हिंसा वाले क्षेत्रों की पहचान कर राज्य सरकारें प्रत्येक जिले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में नामित करें। अपनी शक्ति का प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर करना प्रत्येक पुलिस अधिकारी का कर्तव्य होगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नए दोस्त!

दिल मिले न मिले, हाथ मिलाते रहिए वाली कहावत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी यानी आप के रिश्ते पर सटीक बैठती, पर विडंबना है कि कांग्रेस की राज्य इकाइयां इसके लिए तैयार नहीं दिखतीं। अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध दिल्ली कांग्रेस तो शुरू से मुखर रही है, लेकिन 18 जुलाई को बेंगलुरु में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस यानी इंडिया की घोषणा के बाद पंजाब कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के इतिहास में शायद ही ऐसा दूसरा उदाहरण मिले, जब राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा किए गए गठबंधन को किसी प्रदेश इकाई ने इस प्रकार नामंजूर कर दिया हो। पंजाब कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गठबंधन को अस्वीकार करते हुए न सिर्फ पत्र लिखा, बल्कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात भी की। बाजवा ने सार्वजनिक रूप से कहा कि हम आम आदमी पार्टी वालों का चेहरा देखने को भी तैयार नहीं। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी साफ कर दिया कि मुख्य विपक्षी दल के रूप में सार्वजनिक मुद्दों पर सरकार के विरुद्ध लड़ाई जारी रखेंगे। आप के शासनकाल में कांग्रेस के कई पूर्व मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोपों में कसता शिकंजा भी बड़ा मुद्दा है। आश्चर्य नहीं कि शिरोमणि अकाली दल और भाजपा ने इस रिश्ते पर तरह-तरह के कटाक्ष करते हुए सवाल दागना शुरू कर दिया है। यह अप्रत्याशित भी नहीं है। राजनीति समेत जीवन में कहीं भी कटुता अच्छी चीज नहीं है, लेकिन कांग्रेस और आप के रिश्ते में तो कटुता के अलावा कुछ और रहा ही नहीं। यह अकारण भी नहीं है। अन्ना आंदोलन तथा उसके बाद टीम केजरीवाल द्वारा बनाई गई आप के निशाने पर सबसे ज्यादा कांग्रेस ही रही। कांग्रेस ही उस समय केंद्र में संप्रग सरकार का नेतृत्व कर रही थी, इसलिए भ्रष्टाचार समेत तमाम मुद्दों पर उसका निशाने पर रहना स्वाभाविक भी था, लेकिन आप ने जिस तरह पहले दिल्ली और पंजाब की सत्ता कांग्रेस से छीनी, उसका राजनीतिक संदेश बहुत स्पष्ट है। निश्चय ही कांग्रेस सरकारें जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने में नाकाम रही होंगी। तभी मतदाताओं ने उन्हें चलता कर दिया। कांग्रेस पहले भी कई राज्यों में सत्ता से बेदखल होती रही है, लेकिन दिल्ली और पंजाब के जनादेश में कांग्रेस के लिए ज्यादा खतरनाक संकेत यह निहित रहा कि मतदाताओं ने परंपरागत विकल्प के बजाय एक नए दल के लोकलुभावन वादों पर दांव लगाया। पंजाब में तो दिल बहलाने के लिए कांग्रेस किसी तरह मुख्य विपक्षी दल बन गई, पर दिल्ली में वह पूरी तरह हाशिये पर खिसक गई है। यह गंभीर चिंतन का विषय है कि इसमें पहली बार केजरीवाल को सरकार बनाने के लिए कांग्रेस द्वारा दिए गए समर्थन की कितनी भूमिका रही? अपनी दुर्दशा के लिए खुद कांग्रेसी भी कम जिम्मेदार नहीं। ध्यान रहे विधानसभा चुनावों में नकार देने के बावजूद दिल्ली के मतदाता लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा के बाद दूसरी पसंद के रूप में देखते रहे। संभव है कि सीट बंटवारे में कांग्रेस को आप से ज्यादा सीटें मिल जाएं, पर विधानसभा में क्या होगा? सबसे बड़ा सवाल यह कि जिस आप सरकार के विरुद्ध कांग्रेसी अब तक मोर्चा खोले रहे, अब उसी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ते हुए किस मुंह से वोट मांगेंगे? पंजाब में तो और भी बड़ा संकट है। सत्तारूढ़ और मुख्य विपक्षी दल के रूप में अब तक एक-दूसरे के विरुद्ध मोर्चा खोले रहे ये दोनों जब मिल जाएंगे तो शिरोमणि अकाली दल और भाजपा को विपक्ष का मैदान खुला मिल जाएगा।

ज्ञान से पुण्य का उदय होता है ओर अज्ञान मनुष्य के पाप व भय को जन्म देता है : साध्वी धर्मप्रभा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

चैन्नाई। ज्ञान से पुण्य का उदय होता है और अज्ञान मनुष्य के पाप व भय को जन्म देता है। सोमवार को साहूकार पेठ के जैन भवन मे मरूधर केसरी दरबार मे साध्वी धर्मप्रभा ने प्रवचन में फरमाया कि संसार में ज्ञान से बड़ी कोई भी वस्तु नहीं हैं ज्ञान और अज्ञान मनुष्य के जीवन में नदी के दो तट कि तरह है। एक का उद्देश्य जीवन-लक्ष्य की खोज है तो दूसरे का आत्मा को ज्ञान से भटकाना है। मनुष्य ज्ञान को धारणकर आत्मा को उज्जवल बनाकर मानव जीवन को बना सफल बना सकता है,जबकि अज्ञान का साथ जीते -जी कितनी ही बार मनुष्य को कलंकित करता है और अस्तित्व को शून्य में मिलाकर अपमान की गर्त में धकेलकर आत्मग्लानि से भर देता है। ज्ञान ही देवत्व का मार्ग है,जो शांति, दया,उपकार,संतोष, प्रेरणा व उत्साह का सृजनकर मनुष्य को सन्मार्ग की ओर ले जाने में सहायक बनाकर आत्मा को परमात्मा मे विलय करवा सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि अज्ञान से बाहर कौई निकाल सकता है, तो वह ज्ञान ही है।अज्ञान हमें अंधकार मे धकेलता है ज्ञानी जानता है उसे मोह नही धकेल सकता है। असत्य ही मूल अज्ञान से मोह कसाय उत्पन्न करता है और हमारे जन्म मृत्यु का कारण भी है। जब हमारा ज्ञान सम्यक हो जाता है तो आत्मा पवित्र बन कर सत्य को जान लेती है। यह है अज्ञान हीहमारी आत्मा का पतन करता है । इस संसार में अज्ञान ही मनुष्य के जीवन के दुख का मूल कारण है ।ज्ञान अंधकार को दुर करता है क्रोध को शांत कृता है पाप का नाश करता है ज्ञान हमारी आत्मा को नर से नारायण बना सकता है। सम्यक ज्ञान अगर मनुष्य मे आ जाऐ तो आत्मा केवल ज्ञान को प्राप्त कर सकती है। वह तभी संभव होगा जब मनुष्य अज्ञान मोह ओर आसक्ति का विसर्जन कर लेगा। इसदौरान धर्मसभा में चैन्नई के बावन बाजार ओर उपनगरों के श्रधदालुओं के साथ साहूकार श्री एस. एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया,महामंत्री सज्जनराज सुराणा,सुरेश डूगरवाल,हस्ती मल खटोड़,रमेश दरडा,शांतिलाल दरडा,महावीर चन्द कोठारी, जितेन्द्र भंडारी,शम्भूसिंह कावड़िया आदि पदाधिकारीयो की सभा मे उपस्थित रही।20अगस्त को श्रमण संघ के दितीय पटट्धर आचार्य आनन्द ऋषि जी म.सा. एवं उपाध्याय केवल चंद जी महाराज की जन्म जयंती आयंबिल तप ओर गुणगान के साथ साहूकार पेठ मे साध्वी धर्मप्रभा के सानिध्य मे मनाई जाएगी।

5 अग्रबंधु अग्रज्योति अलंकरण व 2 लाइफ टाइम अचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। अग्रबंधुओं की राष्ट्रीय पाक्षिक पत्रिका अग्रज्योति का 20वां स्थापना दिवस आज सांगानेरी गेट, जयपुर स्थित अग्रवाल कॉलेज के अग्रसेन ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। इस मौके पर 5 अग्रवाल बंधुओं को अग्रज्योति अलंकरण से तथा समाज सेवा में संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले 2 बंधुओं को लाइफ टाइम अचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रधान संपादक मुकेश बंसल व कार्यक्रम समन्वयक एडवोकेट ओपी गुप्ता ने बताया कि प्रारंभ में समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक अषोक गुप्ता व अध्यक्षता फोर्टी एवं अग्रवाल षिक्षा समिति के अध्यक्ष सुरेष अग्रवाल ने की। समारोह के अति विशिष्ट अतिथि रीको निदेषक सीमाराम अग्रवाल, विशिष्ठ अतिथि आपीएस उमेष गुप्ता, प्रमुख समाजसेवी प्रहलाद स्वरूप अग्रवाल, सुरेष ग्रुप व जयपुर होलसेल गारमेंट एसोसिएषन के अध्यक्ष अरविन्द अग्रवाल तथा स्वागताध्यक्ष अग्रवाल समाज समिति के महामंत्री जगदीष नारायण ताड़ी आदि ने महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया। इसके बाद सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। समारोह में महामण्डलेश्वर बालमुकुन्दाचार्य जी महाराज ने भामाशाहों को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने बताया कि इसके बाद समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से पधारे भामाषाह जयसिंहपुरा निवासी मुरारी लाल अग्रवाल, जयपुर निवासी सत्यनारायण अग्रवाल, किषनगढ़ निवासी आनन्दी लाल भरतीया, बधाल निवासी नरेष अग्रवाल, सवाईमाधोपुर निवासी सत्येन्द्र गोयल व समाजसेवी प्रभुनारायण अग्रवाल, राजेन्द्र प्रसाद मोदी, बृजभूषणदास अग्रवाल, आरके अग्रवाल, नथमल बंसल व राजेष अग्रवाल को अतिथियों ने सम्मान स्वरूप तिलक,माला, दुपट्टा व महाजानी साफा पहनाकर, श्रीफल, शॉल, अभिनन्दन पत्र व अलंकरण स्वरूप स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अग्रज्योति विशेषांक का आतिथियों ने विमोचन किया। इस अवसर पर प्रधान संपादक मुकेश बंसल ने अग्रज्योति की प्रगति की जानकारी दी। आयोजन में प्रकाष चन्द गुप्ता, मक्खनलाल काण्डा, राधेष्याम अग्रवाल, कमल किषोर अग्रवाल, मुख्य संयोजक नेमीचन्द गुप्ता आदि मौजूद रहे। अल्का अग्रवाल ग्रुप ने सांस्कृतिक प्रस्तति दी। मंच संचालन कमल नानूवाला व अंजना बैराठी ने किया। अंत में राजेन्द्र मोदी ने आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय योगदान के लिए 151 बेटियां सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

बेटी फाउंडेशन क्लब व जेके मसाले के तत्वावधान में कल्चरल नेशनल अवार्ड- 2023 सम्मान समारोह आज गोपालपुरा बाईपास स्थित होटल मिसटिक फालस में आयोजित किया गया। इस मौके पर शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय यागेदान के लिए सिद्धि पवन शर्मा, शिवानी चैधरी ,सीमा जाट व प्रिया यादव सहित 151 बेटियों का सम्मान किया गया। डायरेक्टर राज शर्मा और राहुल शर्मा ने बताया कि मुख्य अतिथि केटीसी ग्रुप के चेयरमैन राज खान, जेके मसाले के डायरेक्टर विकास जैन, सेलिब्रिटी चीफ गेस्ट फिल्म प्रोड्यूसर अमित बोकाडिया,समाज सेवक अकबर खान पार्षद मनोज मुद्गल,विशिष्ट अतिथि ब्रांड आइकन पूजा शर्मा, ब्रांड एम्बेसडर सुनीता मीना व हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला आदि ने सभी प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस मौके पर फिल्ममेकर एवं मीडिया पर्सन ज्योतिर्विद महावीर कुमार सोनी, समाज सेविका राज कंवर राठौड़, समाज सेविका माधुलिका सिंह, कीर्ति जोशी, संजय सरदाना, रितु अग्रवाल, समाज सेवी केसर सिंह, बाइकर और उद्यमी कानवि बोहरा स्टील विंग डायरेक्टर ताहिर सेफ, बृजेश पाठक, फिल्म अभिनेता राज जांगिड़, डॉ गोविंद सिंह, पुलिस महानिदेशक यातायात बृजेश जाटावत, बिजनेसमैन विशाल बोकाडिया, फिल्म प्रोड्यूसर सुरेश बोकाडिया, मनीष जैन,नेहा विजय, आर्यन कोलोनाईजर डायरेक्टर हनीफ सेख ,शिव जोशी,राजवीर गुर्जर, निक्स बोहरा व पंडित नवल शर्मा आदि मौजूद रहे। मंच संचालन रामा प्रजापत ने किया।

प्रतिदिन फेरो माला,बढ़ता जाएगा पुण्य का ग्राफ : चेतनाश्रीजी म.सा.

जिनवाणी श्रवण करने से ही मानव जीवन बनेगा सार्थकः दर्शनप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। चातुर्मासकाल जीवन में पुण्यार्जन का अवसर प्रदान करता है। हमे मानव भव क्यों प्राप्त हुआ है यह कभी नहीं भूलना चाहिए। कई बार पाप कर्म में लिप्त हो हम मानव भव मिलने का उद्देश्य ही भूल जाते है इसीलिए हमारी ये गति ही नहीं आगे के भव भी बिगड़ जाते है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में सोमवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि तप, त्याग, साधना सभी चातुर्मास में पुण्य अर्जित करने के विभिन्न माध्यम है। इनसे पुण्य बढ़ाने के साथ पाप क्षय होते है। उन्होंने जैन रामायण के विभिन्न प्रसंगों का भी वाचन किया। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने माला जपने का महत्व बताते हुए कहा कि जो प्रतिदिन भगवान के नाम की माला जपता है उसके जीवन से दुःख गायब हो जाते है। प्रभु नाम की माला फेरना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाना चाहिए। रोज याद दिलाने की जरूरत नहीं आनी चाहिए कि आज माला फेरनी है। जब भी समय मिले माला फेरने में लग जाना चाहिए। माला जपने से पुण्योदय होने के साथ पापों का क्षय होता है। उन्होंने कहा कि स्वयं भी माला फेरनी चाहिए ओर दूसरों को भी इसके लिए प्रेरणा प्रदान करनी चाहिए। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मास यानि तप ओर त्याग की सीजन आई है। इसमें हम यथाशक्ति धर्म आराधना करके अपने पापों का क्षय कर सकते ओर मानव जीवन को सार्थक बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकते है। जिनसे तपस्या हो सकती हो वह तप करें, जिनसे भक्ति हो सकती हो वह भक्ति करे लेकिन किसी न किसी रूप में ईश्वर की आराधना अवश्य करें। उन्होंने कहा कि हम भोग में डूबे रहकर पुण्य की कामना करें तो तभी ऐसा नहीं हो पाएगा। हम जीवन में खुशियां व शांति चाहते है तो हमे प्रतिदिन ईश्वर की आराधना के लिए समय अवश्य निकालना होगा। जिनवाणी श्रवण करने के लिए आना भी ईश्वर भक्ति का ही स्वरूप है। प्रतिदिन जिनवाणी श्रवण करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव हम महसूस कर सकेंगे। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा.,नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया। धर्मसभा में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका बड़ी संख्या में मौजूद थे। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है।

आचार्य वसुनन्दी जी महाराज के सानिध्य में हुआ पोस्टर का विमोचन

जैन पाठशालाओं का 15 अगस्त को होगा ''श्रमण संयम महोत्सव 2023''

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान द्वारा ''श्रमण संयम महोत्सव 2023'' के नाम से 15 अगस्त को आदिनाथ भवन मीरा मार्ग जयपुर में आयोजित किए जा रहे संस्कारों की जनक जैन पाठशालाओं के प्रथम सामूहिक महोत्सव के पोस्टर का विमोचन सोमवार को फरीदाबाद में संस्थान के प्रेरक प पू आचार्य वसुनंदी जी महाराज के पावन आशीर्वाद के साथ किया गया विमोचन के समय संस्थान के महामंत्री सुनील पहाड़िया ,मीरा मार्ग जैन मन्दिर समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मुनि भक्त अरुण श्रीमाल, मंजू पहाड़िया, संस्कृति श्रीमाल उपस्थित थे। संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला व कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया ने बताया कि महोत्सव मीरा मार्ग में प्रवासरत त्रय मुनि श्री सर्वानन्दजी मुनि श्री ज़िना नन्दजी व मुनि श्री पुण्या नन्द जी के पावन सानिध्य में होगा । जिसमे करीब चालीस जैन पाठशालाओं के पाँच सो से अधिक विद्यार्थी भाग लेंगे तथा कार्यक्रम मीरा मार्ग मन्दिर समिति व विद्या वसु चातुर्मास समिति के सहयोग से होगा ।

इस संसार में भटकते हुए बहुत समय व्यतीत हो गया है : आचार्य श्री आर्जव सागर जी

आई फिलू को देखते हुए नेत्र परीक्षण शिविर का जैन समाज ने किया आयोजन

आंखो की जांच कराने पहुंचे 383: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

इस संसार में भटकते हुए बहुत समय व्यतीत हो गया जैन होकर भी चैन नही है एक व्यक्ति किसी बहुत बड़े जानकार के पास गया उन्होंने उससे उसका नाम पूछा तो उसने फला चन्द्र जैन बताया तो वे कहते हैं कि आप के गुरु तो महान त्यागी होते हैं गर्मी सर्दी को सहन करते हैं इसके बाद भी आप भटक रहे हैं जाओ अपने गुरु के पास जाओ वे भीषण गर्मी में भी पैदल विहार करते हैं ये घटना अमरावती महाराष्ट्र की है सच्ची शरण का परिणाम तो मिलेगा ही। लोभ में मत पड़ना धन तो कहा से आ जाता है धर्म के प्रभाव से धन धान्य अपने आप आता है आस्था से णमोकार मंत्र का जाप करने से अपने आप विघ्न वाधाये अपने आप चली जायेगी आप धर्म ध्यान करते गुनिया भी दुनिया में भटकते रहते हैं उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने व्यक्त किए। दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान एवं श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग के संयोजक में 31 जुलाई सोमवार को सुबह दस बजे से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया इसके पहले समारोह में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज परम पूज्य आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज के आशीर्वाद से नेत्र परीक्षण शिविर लग रहा है अभी आई फिलू का समय चल रहा है ऐसे में आंखों की सुरक्षा बहुत जरूरी है पुरुषो के साथ माता वहनो से भी निवेदन है कि वह अपनी आंखों की जांच जरूर कराये इस दौरान शिविर में तीन सौ तेराशी से भी अधिक मरीजो ने अपनी आंखों का परीक्षण श्री सदगुरू नेत्र चिकित्सालय आनंदपुर लटेरी से आये चिकित्सकों के दल से कराया अशोक नगर के सुभाष गंज में जांच कर छव्वीस रोगियों को आवश्यकता परीक्षण के वाद विशेष वाहन से लटेरी नेत्र चिकित्सालय ले जाया जा रहा है।

जैन समाज की राष्ट्रीय बैठक में हुआ निर्णय गिरनार तीर्थ क्षेत्र का नाम न बदला जाए

20 से 23 अगस्त तक देशभर में गिरनार पर्व मनाने पर बनी सहमति

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। जैन समाज के पवित्र एवम प्राचीन तीर्थ क्षेत्र गिरनार जो कि वर्तमान चौबीसी के 22 वे तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ की मोक्षस्थली है। इस तीर्थ क्षेत्र की सुरक्षा एवम सम्वर्धन को लेकर अंतर्राष्ट्रीय जैन संघ की ओर से सकल जैन समाज की एक राष्ट्रीय ऑनलाइन बैठक 30 जुलाई को आयोजित की गई जिसके सन्दर्भ में राजेश जैन संयोजक अंतर्राष्ट्रीय जैन संघ ने बताया कि इस क्षेत्र की सुरक्षा एवम अधिकारों को लेकर संघर्षरत विभिन्न पदाधिकारियों सहित देश भर के जैन समाज के इस विषय मे चिंतित सक्रीय सदस्य शामिल हुए। बैठक में गिरनार तीर्थ क्षेत्र की यथास्थिति एवम समाज के मजबूत कानूनी पक्ष को रखा गया तथा गिरनार तीर्थ क्षेत्र का नाम बदलकर दत्तात्रेय रखे जाने के गुजरात सरकार के प्रस्ताव को न मानते हुए पूर्ववत ऐतिहासिक नाम गिरनार ही रखे रहने के लिए कानूनी लड़ाई तक लड़ने पर विचार विमर्श हुआ वही माननीय न्यायालयों के निर्णय के बावजूद भी न्यायालय के निर्णयों की अवमानना करते हुए किये गए अवैध निमार्णों की जानकारी सामने रखी गई एवम इन्हें हटवाने तथा 1910 की स्थिति बहाल कराने कानूनी एवम सामाजिक स्तर पर कार्य किये जाने पर सहमति बनी। वही इस विषय पर वर्षो से संघर्षरत सीनियर एडवोकेट खिल्लिमल जैन ने पुरातत्विक सहित विगत 300 सालों से पहले के गिरनार जी तीर्थ क्षेत्र के जैनों के होने के मजबूत प्रमाण सबके सामने रखे इसमें इन्होंने बंडी लाल जैन कारखाना द्वारा गिरनार जी तीर्थ क्षेत्र के पुनरोद्धार हेतु वहां के तत्कालीन नवाब से ली गई अनुमति तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संघठन की 1900 में जारी वह समस्त रिपोर्ट सामने रखी जो कि गिरनार तीर्थ क्षेत्र को केवल ओर केवल जैन तीर्थ क्षेत्र होना सिद्ध करती है। वही सागर के एडवोकेट अरविंद जैन ने धीमी न्यायालयीन प्रक्रिया पर अपना असन्तोष जताया जिसे तेज करने जैन वकीलों की एक राष्ट्रीय फोरम बनाने का सुझाव दिया। जैन समाज के अग्रणी एवम वरिष्ठ निर्मल चंद जैन पटौदी इंदौर ने विभिन्न समयो में कमेटियों द्वारा इस दिशा में किये गए

प्रयासों को उद्धरित किया वही किसी ठोस रणनीति बनाने पर भी जोर दिया जैन समाज के वरिष्ठ स्वदेश भूषण की भी गरिमामयी उपस्थिति बैठक में रही जिसमे उन्होंने पूरे उत्साह एवम सक्रियता के साथ गिरनार जी पर कार्य करने को कहा। वही गिरनार जी तीर्थ की शीघ्र सुरक्षा एवम सम्वर्धन हो इसके लिए आगामी 20 अगस्त से 23 अगस्त तक प्रत्येक ग्रामो नगरों , शहरों में तथा जहां जहां आचार्य संघ या मुनि संघ अथवा आर्यिका संघ विराजमान है उनके सानिध्य में इन दिनों में 'गिरनार पर्व' बड़ी धूमधाम से मनाया जाए क्योंकि इन्ही तिथियों में '20 अगस्त को रविवार, 22 अगस्त' को भगवान नेमिनाथ का जन्म एवम तप कल्याणक है तथा 23 अगस्त को मुकुट सप्तमी के दिन भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक है। इसी दौरान गिरनार जी मे एक 'जैन कुम्भ' प्रतिवर्ष के लिए प्रारम्भ किया जाए जिसमे देश भर से हजारों की संख्या में तीर्थ यात्री पहुंचे। वही योगाचार्य नवीन जैन द्वारा गिरनार जी तीर्थ क्षेत्र के प्रति अपने कानूनी पक्ष सहित जैन समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से एक ''गिरनार तीर्थ रथ यात्रा'' निकाली जाए जो कि भगवान नेमिनाथ के जन्मकल्याणक पर दिल्ली से प्रारम्भ होकर उनके निर्वाण कल्याणक पर गिरनार जी मे निर्वाण लाडू चढ़ाने के साथ सम्पन्न हो। इन समस्त कार्यो के लिए देश भर की समस्त मंदिर कमेटियां अपना अपना सहयोग सुनिश्चित करने के लिए एक ₹गिरनार फण्ड ₹के लिए अलग से मंदिर में स्वयं से गुल्लक रखकर एक एक श्रावक की दान राशि को एकत्रित कर उनके भावों को गिरनार से जोड़े। गिरनार जी की पांचवी टोंक तक श्वेताम्बर एवम दिगम्बर दोनों वर्ग समान रूप से वंदना को जाए। न कि सिर्फ अपनी अपनी टोको के दर्शन तक सीमित रहे ताकि भगवान नेमिनाथ के चरणों पर दोनों वर्गों का समान अधिकार निरूपित हो। वही इंदौर के गोम्मटगिरी तीर्थक्षेत्र की बाउंडरी वाल शीघ्र बनाने हेतु सकल जैन समाज ने शासन एवम प्रशासन से सहयोग की अपील की। बैठक में दिल्ली से एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट मनोज जैन, अरविंद जैन, डॉक्टर मनोज जैन, गुजरात सूरत से हितेश भाई, अहमदाबाद से अजय जैन मिल्टन , अहिंसा योग फॉउंडेशन संस्थापक नवीन जैन बरेली , पश्चिमी बंगाल से साहिल जैन, किसनगढ़ राजस्थान से सागवाड़ा जी, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन सनरक्षिणी सभा से यतीश जैन, कर्नाटक से उमेश जैन, तमिलनाडू से विमल जैन, हरियाणा से विकास जैन, मध्यप्रदेश से ब्र. विनय भैया, दमोह से सत्येंद्र जैन,शैलेश जैन कटनी, जिनेन्द्र जैन जबलपुर, भोपाल से आलोक जैन, रीवा से मनीष जैन सहित देश के कई राज्यो के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अंबेडकर छात्रावास में किया औषधीय पौधारोपण

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा पर्यावरण के प्रति सजगता रखते हुए एवम अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करने की भावना से स्टेशन रोड स्थित अंबेडकर छात्रावास में वृक्षारोपण का पुनीत कार्य किया गया। संस्था के अध्यक्ष आनन्द सेठी ने बताया की प्रतिवर्ष संस्था द्वारा अंबेडकर छात्रावास के अंदर एवम बाहर शकमभरी माता मंदिर रोड पर वृक्षारोपण किया जाता है। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी रजनीश चौधरी एवम होस्टल वार्डन गजेंद्र सिंह के तत्वाधान में जो पौधे पिछले चार पांच सालो में लगाए गए, उनमें से अधिकतर सही बढ़ रहे है। आज किए गए वृक्षारोपण में संस्था से आशा सेठी, विशाल पाटौदी, बाबूलाल जी, पवन, मनीष, नरेश, प्रभुराम, पिंटू, प्रवीण, इंद्रचंद, केसाराम उपस्थित रहे।

मित्र मंडल ग्रुप नौ दिवसीय अमरनाथ की यात्रा कर भीलवाड़ा लोटा

प्रकाश पाटनी.शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। स्थानीय मित्र मंडल ग्रुप नौ दिवसीय अमरनाथ की यात्रा कर भीलवाड़ा लोटा। यात्री राजकुमार जैन ने बताया कि आध्यात्मिक, पौराणिक यात्रा कर जीवन में नई ऊर्जा मिली एवं लाभदायक रही। इस यात्रा में सरकार की सारी जाने- आने साधन, सुरक्षा, भोजन नियमानुसार शुल्क किराए से सुविधा उपलब्ध कराई गई। यात्रीगणों को अमरनाथ पहुंचने पर बारी-बारी से बफानी शिवलिंग के दर्शन मिले। यहां दो कबूतरों का जोड़ा इस स्थान पर हमेशा रहता है। इन्हें भगवान का आशीर्वाद मिला है। ऐसा बताया गया है। मित्र मंडल के 9 सदस्यों ने सकुशल यात्रा कर भीलवाड़ा लोटने पर परिवारजनों ने माल्यार्पण कर सम्मान किया।

प्रतिभावान छात्राओं का सम्मान किया

विद्यालय में भेंट किया वाटर कूलर, आरसीसी गार्डन बेंच व वाटर डिस्पेंसर

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

स्थानीय राजकीय प्रेमसुख भिवसरीया उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्वर्गीय श्रीमती हीरामणि देवी पांड्या की पुण्य स्मृति में छात्र छात्राओं हेतु वाटर कूलर भेंट व प्रतिभावान सम्मान समारोह पारसमल सरोज कुमार सुरेश कुमार नरेश कुमार पांड्या परिवार सुजानगढ़,जयपुर,शिलोंग के सौजन्य से व सुजलांचाल विकास मंच समिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ। समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने आयोजन विषयक जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता बीदासर पंचायत समिति की प्रधान श्रीमती संतोष मेघवाल ने की व मुख्य अतिथि के रूप में भामाशाह सुरेश कुमार ममता देवी पांड्या थे व विशिष्ट अतिथि नगर परिषद की नेता प्रतिपक्ष श्रीमती जयश्री दाधीच, समाजसेवी ललित कुमार पाटनी नलबाड़ी, समाजसेविका श्रीमती प्रभा देवी सेठी गुवाहाटी, दिगम्बर जैन समाज के उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा,समिति अध्यक्ष श्रीमती उषा देवी बगड़ा,सचिव विनीत कुमार बगड़ा, कोषाध्यक्ष महक पाटनी मंचासीन थे। कार्यक्रम में बीदासर पंचायत समिति की प्रधान ने बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ संस्कारयुक्त ज्ञान के साथ लक्ष्य प्राप्ति का आह्वान किया। नेता प्रतिपक्ष श्रीमती दाधीच ने कहा कि समिति व पांड्या परिवार के सेवा कार्य सराहनीय है तथा कहा कि पैसा सबके पास होता है लेकिन दिन दुखियो की सेवा करके पुण्य कमाना सबसे बड़ी कमाई है। ललित पाटनी ने विद्यालय में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए इसे स्वयं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शीतल मिश्रा ने शाला प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की व सहयोग के लिए पांड्या परिवार व समिति का विद्यालय परिवार द्वारा प्रशंसा पत्र भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाली छात्राओं को उपहार दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय को चार आरसीसी गार्डन बेंच व स्टाफ हेतु वाटर डिस्पेंसर भी समीति द्वारा भेंट किया गया। अतिथियों का स्वागत विद्यालय परिवार के श्रीमती ममता सचदेवा, नरेश कुमार, श्रीमती नमिता ओझा, त्रिलोकचंद, श्रीमती प्रियंका, श्रीमती सुमित्रा चौधरी, श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, श्रीमती गणपति प्रजापत, श्रीमती सरिता फुलवरिया ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन हीराराम मेघवाल ने किया।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

क्रोध से नहीं क्षमा से बनो महान

गुंशी, निवाई. कासं। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी तह. निवाई जिला टोंक (राज.) में चातुर्मासरत है ।पूज्य माताजी के सान्निध्य में प्रतिदिन यात्रीगण शांतिप्रभु के दर्शन कर अभिषेक शांतिधारा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। आज चाकसू व निवाई समाज के सदस्यों ने गुरु माँ को आहारदान देकर लाभ प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि - आत्मा कोई और नहीं अपितु अपने ज्ञान - दर्शन का नाम है और ज्ञान दर्शन कभी मरता नहीं । चेतना का नाम ज्ञान - दर्शन है। तभी तो मुर्दे को ज्ञान नहीं होता क्योंकि उसकी चेतना शक्ति निकल गई है। हम सब कहते हैं हममें ज्ञान नहीं। अगर हम में ज्ञान नहीं होता तो हम इंसान नहीं। हम अपने व्यापार में, घर - गृहस्थी के काम में , अपने स्वार्थ में तो ज्ञान लगा लेते हैं और जब धर्म की बात आती है तो अज्ञानी बन जाते हैं । वर्तमान में मानव की दृष्टि इतनी छोटी होती जा रही है कि उन्हें अपने स्वार्थ के सिवाय कुछ दिखाई नहीं देता जहाँ उनके काम बने , नाम बड़े वहाँ पर दान देंगे , सेवा करेंगे और यदि द्वार पर कोई खाना मांगने आ जाये तब उसके भावों में परिवर्तन इतना आ जाता है कि यहाँ क्यों आ गया। सोचो ?''दया मूले धर्मो''दया ही धर्म का मूल है ।इतना क्रोध उस समय , कहाँ गई आपकी दया। आप सभी आगामी 2 अगस्त को आयोजित होने वाले 51 मंडलीय शांतिनाथ विधान व भोजशाला के उद्घाटन व वृक्षारोपण के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाये।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com